तापमान

अधिकतम 34 डिग्री

न्यूनतम 21 डिग्री

हरिभूमि

सरगुजा-कोरिया भूमि

बिलासपुर, शनिवार, 8 नवम्बर 2025

अम्बिकापुर | सूरजपुर | बलरामपुर | विश्रामपुर | लखनपुर | रामानुजगंज

4 पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में गूंजा वंदे मातरम

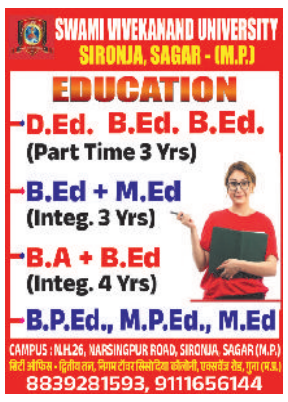

एनएच 130 पर निकल आया हाथी, खड़े ट्रक से लिया खाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

सरगुजा किनारे एक हाथी द्वारा खड़े वाहन से खाना लेकर खाने का वीडियो सामने आया है। वायरल वीडियो में हाथी हाइवा के केबिन से खाना ले रहा है। हालांकि वायरल वीडियो पुराना बताया जा रहा है लेकिन क्षेत्र में हाथियों की मौजूदगी लगातार बनी हुई है और हाथी सरगुजा के उदयपुर और सूरजपुर जिले के अंतर्गत आने वाले प्रेमनगर रेंज में फसलों के साथ ही घरों को नुकसान पहुंचा रहे है।

बता दें कि सरगुजा संभाग में हाथियों की मौजूदगी लगातार बनी हुई है। हाथी लगातर जंगलों से निकलकर फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ ही घरों में तोड़फोड़ कर रहे है। इस बीच सरगुजा के उदयपुर और सूरजपुर जिले के प्रेमनगर वन परिक्षेत्र में 10 हाथियों का दल व एक सिंगल हाथी लगातार भ्रमण कर रहा है। हाथी कई बार जंगल से निकलकर एनएच आ जा रहे है। इस बीच शुक्रवार को एनएच 130 पर हाथी का एक वीडियो वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में हाथी जंगल से निकलकर सड़क किनारे एक हाइवा वाहन में अपनी सूंड डालकर खाला ले रहा है। उक्त वायरल वीडियो प्रेमनगर वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले शिवनगर साल्ही मोड़ का बताया जा रहा है। इस वीडियो में हाथी वाहन के केबिन से खाना लेते नजर आ रहा है। इधर हाथी के इस तरह एनएच पर आने और ट्रक से खाना लेने की घटना से लोगों में हड़कंप मच गया। गनिमत रही कि हाथी ने किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाया और चुपचाप जंगल में वापस लौट गया। जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

घटना का वीडियो वायरल, क्षेत्र में मौजूद हैं 11 हाथी

नारायणपुर में डटे है हाथी

बताया जा रहा है कि उदयपुर और प्रेमनगर क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर रहे है। इनमें 10 हाथियों का दल एक साथ भ्रमण कर रहा है जबकि एक दंतैल अलग घूम रहा है। हाथियों की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हाथी लगातार किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ ही मकानों को नुकसान पहुंचा रहे है। हाथियों की मौजूदगी के कारण ग्रामीणों को खुले आसमान के नीचे रात गुजारनी पड़ रही है लेकिन वन विभाग के अधिकारी हाथियों की मौजूदगी को गंभीरता से नहीं ले रहे है। बताया जा रहा है कि हाथी वर्तमान में नारायणपुर के जंगल में मौजूद है।

लागातार रख रहे निगरानी

हाथी क्षेत्र में लगातार आमद बनाए हुए है। उक्त घटना हमारे क्षेत्र की नहीं है। फिलहाल 11 हाथी नारायणपुर में मौजूद है। वन विभाग की टीम हाथियों की निगरानी कर रही है।

-कमलेश कुमार राय
रेंजर वन परिक्षेत्र उदयपुर

शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में होगा राष्ट्रगीत वंदेमातरम का गायन

अम्बिकापुर। भारत सरकार ने 7 नवम्बर से 7 नवम्बर 2026 तक देश भर में वर्षभर चलने वाली स्मारक गतिविधियों के माध्यम से वंदेमातरम के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्षभर चलने वाले विशेष समारोह की औपचारिक शुरुआत की। इसी क्रम में कलेक्टर द्वारा जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों को पत्र जारी कर निर्देशित किया है कि प्रतिदिन प्रार्थना में राष्ट्रगीत वंदेमातरम का गायन अनिवार्य रूप से कराया जाना सुनिश्चित करें। उक्त निर्देश का पालन नहीं किये जाने की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित संस्था के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित संस्था की होगी। वर्षभर चलने वाले चरणबद्ध कार्यक्रम के आयोजन में प्रथम चरण 7 से 14 नवंबर, द्वितीय चरण 19 से 26 जनवरी 2026, तृतीय चरण 7 से 15 अगस्त 2026 हर घर तिरंगा अभियान के साथ और चतुर्थ चरण 1 से 7 नवंबर 2026 तक होगा।

खबर संक्षेप

छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज की मासिक बैठक आज

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज की मासिक बैठक शनिवार को सांय 3.30 बजे सियान सदन भवन में आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष हरिशंकर सिंह ने बताया कि बैठक के पूर्व सुबह 11 बजे पेंशनर्स के लिए जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पोस्ट ऑफिस द्वारा कैम्प लगाया जाएगा जिसमें इच्छुक पेंशनर अपना जीवित प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। बैठक में पेंशनर्स को महंगाई राहत नहीं दिये जाने को लेकर आंदोलन तथा 17 दिसंबर पेंशनर्स दिवस मनाने के संबंध में निर्णय सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

कल्चुरी कलार सम्मेलन रतनपुर में 9 को

अंबिकापुर। भारतीय कल्चुरी जायसवाल समवर्गीय महासभा द्वारा 9 नवंबर को मां महामाया मंदिर रतनपुर के प्रांगण में विशाल कल्चुरी कलार सम्मेलन का आयोजन किया गया है। महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्याम लाल जायसवाल ने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य हमारे संस्कृति, हमारे समाज, संगठन, हमारी एकता को मजबूती प्रदान करना है ताकि राजनीतिक दलों प्रशासनिक विभागों में हमारे संगठन मजबूती के साथ सामने बन सके। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया है कि अधिक से अधिक संख्या में समाज के लोग सम्मेलन में शामिल होकर सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक क्षेत्र में अपनी मजबूती बनाने में सहयोग प्रदान करें।

आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा के तहत ट्रेड टेस्ट 17 से

अंबिकापुर। जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा 2023-24 के अंतर्गत सरगुजा रेंज के जिला इकाई सूरजपुर, कोरिया, जशपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, एमसीबी तथा पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय मैनपाट में रिक्त आरक्षक ट्रेड संवर्ग के पदों की पूर्ति हेतु लिखित परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों का ट्रेड टेस्ट सूरजपुर जिले के सिलफिली स्थित 10वीं वाहिनी ग्राउंड में 17 नवम्बर से शुरू होगा। चयन समिति के अध्यक्ष व एसएसपी सरगुजा से मिली जानकारी के अनुसार इस ट्रेड टेस्ट में वही अभ्यर्थी शामिल हों सकते है जो लिखित परीक्षा में शामिल हुए थे। ट्रेड टेस्ट के लिए अभ्यर्थी को व्यापम द्वारा जारी एडमिट कार्ड, एक पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। भर्ती प्रक्रिया के दौरान ग्राउंड में मोबाइल फोन का उपयोग, अभ्यर्थी के अतिरिक्त अन्य व्यक्ति, रिश्तेदार का प्रवेश वर्जित है। उन्होंने बताया कि 17 नवम्बर को आरक्षक ट्रेड चालक, 18 नवंबर को आरक्षक ट्रेड कुक, वाटर कैरियर एवं 19 नवंबर को शेष अन्य विज्ञापित आरक्षक ट्रेड के आरक्षक शामिल हो सकते है। अभ्यर्थी को ट्रेड वार निर्धारित तिथि को सुबह 7 बजे तक अनिवार्य रूप से भर्ती ग्राउंड में उपस्थित होना होगा। विलंब से आने वाले अभ्यर्थी प्रवेश नहीं दिया जाएगा और वे ट्रेड टेस्ट में अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थी चयन हेतु स्वमेव अपात्र होंगे।

पांच घंटे प्रभावित रहा नेशनल हाईवे

कोहरे के कारण आपस में टकराए सरिया लोड ट्रेलर और ट्रक, दो मृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

शुक्रवार की अल सुबह ट्रक और ट्रेलर के बीच हुई भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक के केबिन में फंसकर चालक और क्लीनर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। संभावना जताई जा रही है कि चालक को झपकी आने और कोहरे के कारण हादसा हुआ। इस घटना के कारण लगभग पांच घंटे तक एनएच पर आवागमन प्रभावित रहा। पुलिस द्वारा शवों को मर्च्युरी में रखा गया है इसके साथ ही मामले की जांच की जा रही है।

खास बात

- ट्रक चालाक और क्लीनर की मौके पर मौत, 5 घंटे से अधिक एनएच 43 जाम

बताया जा रहा है कि ट्रक क्रमांक एचपी 24 डी 8850 का चालक एमपी के मऊगंज भिलाईगढ़ी सोनबरसा नईगढ़ी के ग्राम कुसहा निवासी 42 वर्षीय मुन्ना लाल यादव आ. स्व. हीरा लाल यादव व क्लीनर मऊगंज कन्हईया निवासी 18 वर्षीय विपिन यादव आ. भुवर यादव ट्रक में सतना से गेंहू लेकर उड़ीसा की ओर जा रहे थे। इसके साथ ही ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 बीपी 8290 में चालक एमपी अनुपपुर के ग्राम बम्हनी निवासी 23 वर्षीय अनूप पटेल आ. श्रीराम गणेश पटेल व क्लीनर अनुपपुर फुनगा निवासी 21 वर्षीय अनुपम महरा आ. नत्थू महरा सरिया लोड कर अंबिकापुर से मनेन्द्रगढ़ की ओर जा रहे थे। इस दौरान भोर के लगभग 4.30 बजे जैसे ही दोनों वाहन कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम कोटमी के समीप पहुंचे ट्रक और ट्रेलर में भिड़ंत हो गई। एनएच 43 पर हुई टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के केबिन आपस में चिपककर फंस गए और दोनों वाहनों के चालक और क्लीनर वाहन में ही दब गए। सरिया लोड ट्रेलर की टक्कर से ट्रक सवार चालक मुन्ना लाल यादव और क्लीनर विपन यादव की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं ट्रेलर चालक अनूप पटेल और क्लीनर अनुपम महरा गंभीर रूप से घायल हो गए। भोर के समय घना कोहरा भी था जिससे दुर्घटना की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस द्वारा इस मामले में मर्ग कायम कर शवों को मर्च्युरी में रखवाया गया है और मृतकों के परिजन का इन्तजार किया जा रहा है।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन।

पांच घंटे तक प्रभावित रहा आवगमन

एनएच 43 पर ट्रेलर और ट्रक के बीच हुई भिड़ंत के बाद ट्रेलर तिरछा हो गया जिससे एनएच पर आवागमन बंद हो गया। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में चालक क्लीनर फंसे हुए थे। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने आनन फानन में घायलों को निकालकर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया इसके साथ ही ट्रक चालक मुन्ना लाल यादव और क्लीनर विपन यादव का शव बुरी तरह से फंस गया था। पुलिस ने कटर की मदद से वाहनों के केबिन को काटकर शवों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। पुलिस ने मृतकों की शिनाख्त करने के बाद परिजन को इसकी सूचना दी। इधर दुर्घटना के बाद सडक पर आवागमन सुबह 10 बजे तक प्रभावित रहा। पुलिस ने मार्ग डायवर्ट कर आवागमन कराया जबकि आपस में फंसे हुए वाहनों को निकालने के बाद दोपहर 12 बजे के बाद हटाया गया जिसके बाद ही एनएच पर आवगमन सामान्य हो सका।

नगर में नशेड़ी युवकों का बढ़ रहा उत्पात दो गुटों के बीच जमकर हुई मारपीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

नगर में उपद्रवियों और अपराधी किस्म के लोगों के हौसले बुलंद है। आलम यह है कि आए दिन गुटों के बीच मारपीट की घटनाएं हो रही है। ऐसे में नगर का माहौल अशांत हो गया है और लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। हाल ही में फिर से ऐसे ही गैंगवार का मामला सामने आया है। नशे में धुत दो गुटों के बीच जमकर लात जूते चले। अपराधी किस्म के युवक सरे राह गाली गलौज करने के साथ ही हंगामा मचाते रहे जिससे लोगों में दहशत का माहौल निर्मित हो गया। हैरानी की बात तो यह है कि पुलिस की कार्य प्रणाली के कारण इन अपराधियों के हौसले बुलंद है।

- गैंगवार जैसी घटनाओं से नगरवासियों की बढ़ी परेशानी, लोगों में आक्रोश

गैंगवार की घटना नगर के पुरानी बस्ती में जयस्तंभ चौक के समीप हुई जहां देर रात बाइक सवार नशेड़ी युवकों का दो गुट आपस मे भीड़ गया। इस दौरान दोनों गुटों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया और जमकर एक दूसरे पर लात घूंसे बरसाए। इस दौरान दोनों गुटों ने अपने साथियों को बुला लिया जिसके बाद काफी देर तक दोनों पक्षों के बीच सड़क पर जमकर गाली गलौज और मारपीट हुई। अपराधी किस्म के युवकों ने नशे में धुत होकर जमकर हंगामा मचाया। इस दौरान इनके आतंक के डर से आसपास के लोग घरों में दुबक गए थे। दोनों गुट के युवक घंटों जयस्तंभ चौक पर आतंक मचाते रहे। इनके आतंक और हंगामे के बीच जब लोगों का धैर्य जवाब दे दिया तब कुछ लोग घरों से बाहर निकले और इनका विरोध करने लगे।लोगों के विरोध के बाद भी इन पर कोई असर नही हुआ और ये उल्टा विरोध करने वालों से उलझ पड़े। इस दौरान मौके पर कुछ और स्थानीय लोग जमा हो गए थे। जब स्थानीय लोगों की भीड़ बढ़ने लगी तब जाकर दोनों गुट के नशेड़ी युवा अपनी अपनी बाइक लेकर फरार हो गए। देर रात तक आतंक मचाने वाले नशेड़ी युवकों के मौके से फरार होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

इस संबंध में एसडीओपी राजेंद्र मंडावी ने रात्रिगश्त बढ़ाने एवं अराजक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई की बात कही है।

डायल 112 ने किया निराश

जयस्तंभ चौक पर बाइक सवार नशेड़ी गुटों द्वारा आतंक मचाने के दौरान इनके धरपकड़ हेतु डायल 112 को फोन किया गया ताकि समय पर आकर आतंक मचा रहे युवकों को मौके से पकड़ा जा सके लेकिन कई प्रयासों के बाद भी डायल 112 से संपर्क नही हो सका। एकाध बार हुआ भी तो नेटवर्क प्रॉब्लम बताकर फोन काट दिया गया। घंटों प्रयास के बाद जब संपर्क हुआ तब 112 मौके पर पहुंचा। जिसमे दर्जनों की संख्या में मौजूद बदमाशों को पकड़ने के लिए मात्र एक नगर सैनिक भर मौजूद था इनके आने से पहले ही स्थानीय लोगों के विरोध के बाद जयस्तंभ चौक पर आतंक मचा रहे युवा मौके से फरार हो चुके थे। आए दिन हो रही इन घटनाओं से लोगों में आक्रोश का माहौल है पुलिस की कार्यशैली, रात्रि गस्त पर सवाल उठाए जा रहे है।

अपहरण कर फिरौती मांगने वाला आरोपी गिरफ्तार

वाड्रफनगर। युवक का अपहरण कर तीन लाख रुपए की फिरौती मांगने के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। बसंतपुर पुलिस स मिली जानकारी के अनुसार 6 अगस्त को रजखेता निवासी विजयलाल मरकाम घर से निकला था जिसके बाद कुछ लोगों ने उसका अपहरण कर लिया था। 8 अगस्त को उसके भाई बृजेश सिंह के मोबाइल नम्बर पर विजयलाल ने फोन कर अपहरण करने की जानकारी दी इसके साथ ही

अपहरणकर्ताओं ने 3 लाख रुपए के फिरौती की मांग की थी। इस मामले में पुलिस ने पूर्व में यूपी सोनभद्र के बीजपुर निवासी 34 वर्षीय सद्दाम आ. सगीर अंसारी, 26 वर्षीय रोहित चौरसिया आ. स्व. शंभू चौरसिया, 39 वर्षीय सतीश कुमार गुप्ता आ. भोला नाथ गुप्ता व 36 वर्षीय अखिलेश उर्फ पंकज मिश्र आ. प्रेमनरेश मिश्र को गिरफ्तार किया था जबकि बसंतपुर थाना के प्रेमनगर निवासी 22 वर्षीय राकेश उर्फ बिल्लू यादव आ. अनिल यादव फरार चल रहा था। आरोपी ने वाड्रफनगर न्यायालय में आत्म समर्पण किया जिसके बाद राकेश उर्फ बिल्लू यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी को बीएनएस की धारा 140 (1), 58,61,127(7),.3 (5) के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

खेत में धान काट रहे किसानों को मिला नरकंकाल, मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

ग्राम पंचायत कोट में खेत में धान काटते समय नरकंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीण और मजदूर खेत में धान काट रहे थे इसी दौरान पहले कुछ हड्डियां मिली लेकिन बाद में एक इंसानी खोपड़ी मिली जिसके बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल निर्मित हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने नर कंकाल को जब्त कर लिया है और

- तीन माह पूर्व लापता हुए ग्रामीण के रूप में पहचान लेकिन पुष्टि नहीं, जांच में जुटी पुलिस

घटना की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक रूप से मृतक की पहचान तीन माह पूर्व लापता हुए ग्रामीण के रूप में की गई है लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

बताया जा रहा है कि गुरुवार की सुबह जिले के ग्राम कोट में जंगल से सटे भोलादास ⏭शेष पेज 4 पर

झाड़फूंक करने वाले ग्रामीण के रूप में पहचान

खेत में मिले कंकाल की पहचान इमलीपारा निवासी बुजुर्ग भीखम आ. मंगल साय के रूप में की गई है। ग्रामीण के भतीजे सोहन राम ने उसके पकड़े से पहचान की है लेकिन फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि मृतक भीखम झाड़फूंक और जड़ी बूटी देने का काम करता था और 2 जुलाई की दोपहर 2 बजे घर से निकला था लेकिन वह वापस नहीं लौटा। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे लेकिन उसके गुमशुदगी की शिकायत पुलिस से नहीं की गई थी। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि उक्त कंकाल भीखम का है। इससे भी बड़ी बात यह है कि कंकाल खेत में खुले में पड़ा हुआ था ऐसे में धान रोपाई के साथ ही खाद का छिड़काव किया गया लेकिन किसी को कंकाल नहीं दिखा। यदि ग्रामीण की मौत उक्त स्थान पर हुई होती तो क्षेत्र में दुर्गंध भी फैलती और लोग आस पास नित्यकर्म के लिए जाते है उन्हें शव के सड़ने की बदबू भी आती। ऐसे में यह मामला उलझता हुआ नजर आ रहा है।

अधिवक्ता संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू, कामकाज ठप

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

जिला एवं सत्र न्यायालय के विस्थापन के विरोध में शुक्रवार को जिला अधिवक्ता संघ व संघर्ष समिति ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की शुरुआत कर दी है। अधिवक्ता संघ के इस हड़ताल के कारण कोर्ट में पेशी, बहस के साथ ही फैसलों सहित अन्य काम काज पूर्ण रूप से ठप हो गए। संघ ने मांगों के पूर्ण नहीं होने पर भूख हड़ताल, चक्का जाम, नगर बंद सहित उग्र आंदोलन की भी चेतावनी दी है। इस बीच अधिवक्ताओं के इस आंदोलन को समर्थन देने पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल भी मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही संघ को सांसद चिंतामणि महराज का भी समर्थन पत्र मिला है।

- न्यायालय भवन के विस्थापन का हो रहा विरोध, आंदोलन को मिला लोगों का समर्थन
- संघ ने कहा-भविष्य में उग्र होगा आंदोलन

बता दें कि जिला एवं सत्र न्यायालय के नवीन भवन का निर्माण चठिरमा में किए जाने के निर्णय का अधिवक्ताओं द्वारा विरोध किया जा रहा है। कलेक्टर सरगुजा ने नवीन भवन का निर्माण सूरजपुर जिले की सीमा में बसे ग्राम पंचायत चठिरमा में करने के लिए जमीन का आबंटन कर दिया है। न्यायालय के विस्थापन का आदेश जारी होने के बाद से ही अधिवक्ता संघ आंदोलन कर रहा है। वर्तमान स्थल पर भी भवन निर्माण कराने की मांग को लेकर अधिवक्ता संघ ने संघर्ष समिति का भी निर्माण किया है जिसके नेतृत्व में अधिवक्ता आंदोलन कर रहे है। इसी कड़ी में संघ ने अपनी मांगों के पूर्ण होने तक अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी है। अनिश्चितकालीन हड़ताल के पहले दिन शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायालय के बाहर संघ ने धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन के दौरान भारी संख्या में अधिवक्ता एवं आमजन आंदोलन में शामिल हुए और न्यायालय भवन वर्तमान स्थल पर ही बनेगा के नारों से संपूर्ण परिसर गूंज उठा। अधिवक्ताओं ने यह स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति या संस्था के विरोध में नहीं, बल्कि जनसुविधा, पारदर्शिता और न्यायिक गरिमा की रक्षा हेतु है। अधिवक्ता संघ के इस अनिश्चतकालीन हड़ताल से न्यायालयीन काम काज पूर्ण रूप से ठप हो गया है। कोर्ट में पेशी, बहस, फैसलों के साथ ही किसी भी प्रकार का काम नहीं हुआ। इस हड़ताल के कारण प्रकरणों की तिथियां आगे बढ़ गई है। संघ ने सभी अधिवक्ताओं एवं नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इस जनहित आंदोलन में एकजुट होकर सहयोग दें ताकि सरगुजा में न्याय की व्यवस्था सुचारु, सुलभ और सम्मानजनक बनी रहे।

धरना-प्रदर्शन करते अधिवक्ता।

कैबिनेट मंत्री पहुंचे धरना स्थल

अधिवक्ता संघ के आंदोलन को जम समर्थन मिल रहा है। हड़ताल के पहले दिन पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव धरना स्थल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने संघ को समर्थन पत्र प्रदान करते हुए कहा कि प्रशासन का यह आदेश अव्यवहारिक है। जब सभी कोर्ट यहां है तो जिला एवं सत्र न्यायालय चठिरमा क्यों ले जाएंगे। वहीं कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने भी कहा है कि अधिवक्ता संघ की मांग जायज है। उन्होंने कलेक्टर से इस संबंध में बात की है और अब वे सीएम से भी इस संबंध में चर्चा करेंगे। संघ को सांसद चिंतामणि महराज का भी समर्थन पत्र मिला है। इसके साथ ही गुरु सिंह सभा, सर्व ब्राह्मण सभा, कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन तथा आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधियों एवं उपस्थित पक्षकारों ने मंच से अधिवक्ताओं की मांगों का पूर्ण समर्थन करते हुए कहा कि न्यायालय भवन को वर्तमान स्थल पर ही बनाना न्यायिक दृष्टि से भी उचित है तथा यह अंबिकापुर की जनता की भावनाओं के अनुरूप निर्णय होगा।

आज करेंगे सीएम से मुलाकात

अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल सोनी ने बताया कि अपनी मांगों को लेकर संघ ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की शुरुआत कर दी है और इसकी जानकारी कोर्ट को पहले ही दे दी गई है। शनिवार की शाम मांगों के समर्थन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात किया जाएगा और इसके बाद भी यदि उनकी मांग पूर्ण नहीं होती है तो संघ का आंदोलन और भी उग्र होगा। अधिवक्ता संघ भूख हड़ताल, नगर बंद व चक्का जाम करेगा लेकिन किसी भी परिस्थिति में न्यायालय को चठिरमा नहीं जाने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि न्यायालय के चठिरमा जाने से ना सिर्फ लोगों को परेशानी होगी बल्कि दुर्घटना की संभावनाएं भी बढ़ जाएंगी।

Powered by
DCT Real Estate Developers Bilaspur (c.g.)
प्रॉपर्टी मतलब DCT
ISO 9001- 2015 Certified
FORTUNE
ELEMENTS
Presents
CREDAI BILASPUR
आपने ADDRESS CHANGE कराया क्या?
CREDAI PROPERTY EXPO 2025
7, 8 & 9 NOV 2025
KUNDAN PALACE, SHRIKANT VERMA MARG, BILASPUR
Banking Partner
SBI
आज MISS किया
तो कल पछताएंगे
जो CREDAI एक्सपो में
आज और कल नहीं आयेंगे
Concept & Design @ AdPRAYAS
ये हैं विशेष बस 2 दिन शेष
प्रॉपर्टी बुकिंग पर ई-स्कूटर जीतने का मौक़ा
एक्सपो विज़िट पर हर घंटे चाँदी का सिक्का जीतने का मौक़ा
Stalls
of Best in Class Building Material Vendors
30+
Housing & Commercial Projects with Best Deals
ई-स्कूटर से लेकर एसी, फ्रिज, वाशिंग मशीन सहित 3 लाख तक के इनाम
Bathcare Partner
Jaquar BATHROOM
PARTICIPATING BRAND
CITYWALK
DRS High Street
S. K. BUILDERS & COLONIZERS
GK Group
Shree balaji Doors & Ply
NIRVANA HOMES
ASA
SOLITAIRE
Vijaya Shri Heritage
ATLANTIC IMPERIAL TOWER
FORTUNE Infra
SHRI GANESH ORCHID
HARSH PROJECTS
GEETANJALI ERA
OoWah EV ka All Rounder
Swarna Shikhar
USHA VALLEY
SWARNIMA ERA
Studio CE
WallingCo
वृंदावन ग्रीन्स
UB WORLD
SARDAR JI
Aashiyana
AVIRAL DEVELOPERS
ARPA GREENS ROYAL
KRISHNA
GWALANI GROUP
KD CONSTRUCTION
FEDERAL BANK
vision vistara
Skyler
ALASKA HOMES
DHEERAA SKYLLA
CLASSIC GROUP
Bajpai Buildcon
360° INFRA SOLUTIONS
INDU
कृष्णा पुरम
Aishwaryam
Anand Vihar
CHITVAN Farm
DIWANJI
HDFC BANK
Vijay
कुदन पैलेस, श्रीकात वर्मा मार्ग, बिलासपुर (छ.ग.) | 78980-32660

खबर संक्षेप

विधायक सहित किसान संघ के पदाधिकारियों ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

कुसमी। सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा के नेतृत्व में कुसमी एवं शंकरगढ़ के किसान संघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित क्षेत्र के प्रतिनिधि ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निवास स्थान रायपुर में मुलाकात की। साथ ही क्षेत्र के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। मुलाकात के दौरान सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा ने कुसमी एवं शंकरगढ़ विकासखंड अंतर्गत सहकारी बैंक के कर्मचारियों द्वारा बिना लोन लिए किसान के खाते में लोन की राशि होना बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि किसानों के खाते में एक से दो लाख ऋण होना बताया कर किसानों के खाता को होल्ड कर दिया गया है, जिससे किसानों के खाते में ऋण होने के कारण इस वर्ष न तो किसान खाद बीज ले पाए न ही उन्हें खाद बीज बैंक द्वारा दिया गया। किसान इस वर्ष हुए धान की फसल कृषि उपज मंडी में नहीं बेच पा रहे है। सहकारी बैंक में फर्जी तरीके से लगभग 25 से 30 करोड़ रुपए की राशि किसानों के खाते में दिखने से क्षेत्र के किसान काफी परेशान है। ऐसे में शासन की योजनाओं का लाभ से वंचित हो रहे है। किसानों ने अपनी समस्याओं को विस्तृत रूप से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को अवगत कराया। जिस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सहकारी बैंक के रायपुर में पदस्थ वरिष्ठ अधिकारी एवं बैंक के डायरेक्टर से तत्काल बात करते हुए कुसमी, शंकरगढ़ के किसानों की समस्याओं का तत्काल निराकरण करने तथा बैंक द्वारा लगाए गए किसानों के खाते में होल्ड को तत्काल हटाने की बात कही।

हेल्थ प्लस

तेज डायग्नोस्टिक सेंटर में विशेषज्ञ चिकित्सक कल

अम्बिकापुर। तेज डायग्नोस्टिक एवं माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल में रविवार दिनांक 9 नवंबर को छ.ग. के सुप्रसिद्ध मस्तिष्क एवं नस रोग विशेषज्ञ डॉ.संजय कुमार अग्रवाल, दर्द एवं

जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ.बी मिंज, बच्चों के रोग विशेषज्ञ डॉ.रितेश रंजन, किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ.करण सराफ, ब्रेन, स्पाईन एवं एंडोस्कोपिक न्यूरो सर्जन डॉ.महावीर सिंह जौहरी संबंधित रोगों से पीड़ित मरीजों के उपचार हेतु एवं परामर्श के लिए तेज डायग्नोस्टिक सेंटर एवं माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल, जोड़ा तालाब के सामने बाबूपारा अम्बिकापुर में उपलब्ध रहेंगे।

महीनों बाद भी नहीं हो सकी मरम्मत

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में तीन ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट में खराबी

बंद ऑक्सीजन प्लांट।

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू सहित विभिन्न वार्डो में दाखिल गंभीर मरीजों की सुविधा के लिए ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट लगाई गई।

खास बात

- एक ऑक्सीजन प्लांट चालू जम्बो सिलेंडर से उपलब्ध करा रहे ऑक्सीजन

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चार ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट है। हैरानी की बात तो यह है कि तीन ऑक्सीजन प्लांट में आई तकनीकी खराबी के कारण महीनों से बंद है और सिर्फ एक ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट से ही ऑक्सीजन उपलब्ध कराई जा रहे। बावजूद इसके बंद पड़े ऑक्सीजन प्लांट की मरम्मत आज तक नहीं कराई गई है। आलम यह है कि अस्पताल के कुछ वार्डो को छोड़ दे तो अन्य वार्डों में पूर्व की भांति ऑक्सीजन सिलेंडर से ऑक्सीजन उपलब्ध कराई जा रही है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दाखिल होने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो इसके लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में विभिन्न जांच के उपकरण सहित अन्य संसाधन उपलब्ध कराई गई है। जिसमें एक ऑक्सीजन की सुविधा शामिल है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दाखिल गंभीर मरीजों की सुविधा के लिए कुछ साल पूर्व अस्पताल परिसर में करोड़ों की लागत से चार ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट लगाई गई। मेडिकल कॉलेज के एक हिस्से ओपीडी क्षेत्र में दो जबकि एमसीएच परिसर में दो ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट स्थापित की गई है। ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट लग जाने से गंभीर मरीजों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा हो गई। पहले जहां वार्ड में भर्ती मरीजों को छोटे ऑक्सीजन सिलेंडर से ऑक्सीजन दी जाती थी। लेकिन कोरोना काल के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सभी वार्ड के बेड के पास ही ऑक्सीजन की सप्लाई पाइप लाइन से शुरू की गई जिससे मरीजों को आवश्यकतानुसार समय पर ही ऑक्सीजन की सुविधा मिलना शुरू हो गया। ओपीडी परिसर में स्थित एक ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट से सर्जिकल, ऑर्थो, बर्न वार्ड सहित अन्य वार्ड में पाइप लाइन से सप्लाई होते है जबकि एमसीएच परिसर स्थित दो ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट से एमसीएच भवन सहित महिला मेडिकल वार्ड, जेल वार्ड व अन्य वार्ड में सीधे पाइप लाइन से ऑक्सीजन दी जाती है। हैरानी बात तो यह है कि ओपीडी परिसर का एक जबकि एमसीएच परिसर के दो ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट पिछले कुछ महीनों से तकनीकी खराबी के कारण बंद पड़ी है लेकिन आज तक मरम्मत नहीं कराई गई जिससे पूर्व की भांति ही जम्बो व छोटे ऑक्सीजन सिलेंडर से मरीजों को ऑक्सीजन उपलब्ध करा रहे है। हालांकि ओपीडी के एक जनरेटर प्लांट के चालू होने से कुछ वार्ड में ऑक्सीजन की सप्लाई पाइप लाइन से उपलब्ध है।

शो पीस बना ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट

ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट से जो ऑक्सीजन का निर्माण होता है उसकी सप्लाई लगातार होती है। ऐस में किन्हीं कारण से जनरेटर प्लांट के उपकरण में किसी प्रकार की तकनीकी खराबी आने तथा बंद हो जाने की स्थिति में जम्बो सिलेंडर के माध्यम से ऑक्सीजन की सप्लाई होती है। वर्तमान में ओपीडी के कुछ वार्ड के अलावा एमसीएच भवन व महिला मेडिकल सहित अन्य वार्ड में अब बेकअप के माध्यम से ही गंभीर मरीजों को ऑक्सीजन दी जा रही है। ऐसे में परिसर स्थित ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट मात्र शो पीस बन कर गई है।

पाइप लाइन से होता है सीधा सप्लाई

ऑक्सीजन पाइप लाइन के माध्यम से विभिन्न वार्ड तथा आईसीयू में लगातार ऑक्सीजन की सप्लाई होती है। ऐसे में वार्ड में दाखिल मरीजों को 24 घंटे ऑक्सीजन मिल सके इसके लिए बेड के समीप उपकरण लगाए गए है। लेकिन अब ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट के काम नहीं करने से अब पाइप लाइन से ऑक्सीजन सप्लाई भी प्रभावित हो गई है।

स्टॉक की हो रही कमी

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्थापित चार ऑक्सीजन जनरेट प्लांट में से दो ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट से छोटे व बड़े जम्बो सिलेंडर में ऑक्सीजन भरने की सुविधा है। ऐसे में एक के बंद होने से अब केवल एक ही ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट से छोटे व जम्बों सिलेंडर में भरा जा रहा है। ऐसे में अस्पताल में जितना ऑक्सीजन स्टॉक जमा होना चाहिए था उतना नहीं हो पा रहा है।

मरम्मत के लिए करते है बंद

मेडिकल कॉलेज अस्पताल मे स्थापित सभी ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट चालू है। बीच-बीच में मरम्मत के लिए ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट को बंद किया जाता है।

-डॉ. आरसी आर्या
अस्पताल अधीक्षक

एग्रीस्टेक पंजीयन तिथि बढ़ाने किसान मोर्चा ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीतापुर

एग्रीस्टेक पंजीयन एवं गिरदावरी की वजह से किसानों की धान खरीदी में आ रही समस्या को लेकर भाजपा किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान किसान मोर्चा ने बताया कि एग्रीस्टेक पंजीयन की प्रक्रिया जटिल होने की वजह से प्रदेश के ज्यादातर किसान पंजीयन से वंचित हो चुके है। इसके अलावा गिरदावरी में भी किसानों के धान का रकबा काफी घट गया है जिसकी वजह से किसान धान खरीदी केंद्र में पहले की तरह अपना धान बेचने से वंचित हो जायेंगे। चर्चा के दौरान भाजपा किसान मोर्चा की बातों को गंभीरता से सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि एग्रीस्टेक पंजीयन की तिथि बढ़ा दी गई है। इसके अलावा धान खरीदी में जो भी अड़चने आ रही है उसे भी दूर करा दिया जायेगा।

विदित हो कि धान खरीदी से पूर्व प्रदेश सरकार द्वारा कराए गए एग्रिस्टेक पंजीयन एवं गिरदावली की वजह से किसानों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। एग्रिस्टेक पंजीयन की प्रक्रिया जटिल होने एवं जानकारी न होने की वजह से प्रदेश के लाखों किसान पंजीयन से वंचित हो गए है। वही डीसीएस पद्धति से हुई गिरदावली में किसानों का रकबा काफी घट गया है। जिससे किसान पहले की तरह समितियों में अपना धान नही बेच पायेंगे जिसकी वजह से किसानों को आर्थिक रूप से काफी नुकसान झेलना पड़ सकता है। किसानों की इन समस्याओं को देखते हुए विगत दिनों भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी प्रदेशाध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर के नेतृत्व में मुख्यमंत्री निवास पहुंचे और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की। किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री एवं जनपद उपाध्यक्ष सीतापुर अनिल अग्रवाल ने बताया कि किसानों की परेशानी को लेकर मुख्यमंत्री से सकारात्मक चर्चा हुई। इस दौरान एग्रिस्टेक पंजीयन की वजह से किसानों का पंजीयन नही होने एवं गिरदावली में रकबा कम होने के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर, प्रदेश प्रवक्ता किसान मोर्चा विजयशंकर मिश्रा, कार्यसमिति सदस्य खेम तिवारी, महेश कौशल, विकास मंडल आदि मौजूद थे।

भारतीय किसान संघ की बैठक में गोवंश की रक्षा का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

विकासखंड अंतर्गत ग्राम बरदर में शुक्रवार को भारतीय किसान संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष रामनरेश कुशवाहा शामिल हुए। इस दौरान राम नरेश कुशवाहा ने गौ वंश का किसान के जीवन में क्या महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि गो वंश अर्थात पशु ही किसान की सबसे बड़ी पूंजी है, आज किसान भले ही आधुनिक युग में पहुंच गया हो लेकिन इस युग में पहुंचने और पहुंचाने वाला यदि कोई है तो वह गोवंश ही है। गोवंश हमारी वह पूंजी है जिसे हमें हमेशा बचा कर रखना चाहिए। इसके अलावा कार्यक्रम में भारतीय किसान संघ के जिला युवा प्रमुख इतराज सिंह, बलरामपुर ब्लॉक अध्यक्ष संतलाल सिंह ने भी अपने विचार रखे। इसके साथ ही बैठक में सर्वसम्मति से भारतीय किसान संघ के बरदर सहकारी समिति का गठन किया गया जिसमें बरदर सहकारी समिति के अध्यक्ष अशोक कटक्वार, उपाध्यक्ष राजकुमार मिश्रा, सक्रिय सदस्य के रूप में स्वर्ण कुमार मिश्रा, उमेश पाल, राधेश्याम गुप्ता, संतोष अगरिया, राम जीवन आदि को नियुक्त किया गया।

नियुक्ति उपरांत सभी पदाधिकारी को फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान विपिन सिंह, विनोद गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे।

कलेक्टर ने प्रतापपुर विकासखंड के विभागीय कार्यों का किया निरीक्षण, दिए दिशा निर्देश

सोनगरा। कलेक्टर एस जयवर्धन ने आज प्रतापपुर विकासखंड का दौरा कर विभिन्न विभागीय कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने एकीकृत जलसंग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम के अंतर्गत सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों के धान फसल उत्पादन का निरीक्षण किया और आगामी रबी फसल विस्तार कार्य योजना पर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत झिंगादोहर पहुंचकर जलग्रहण समिति की महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं द्वारा किए जा रहे बकरी पालन कार्य की जानकारी ली और उन्हें

आय वृद्धि हेतु बकरी पालन को और विस्तार देने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही क्षेत्र में उपलब्ध सिंचाई साधनों का भी निरीक्षण किया। इसके अलावा कलेक्टर ने ग्राम सकलपुर में कृषि विभाग के विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने प्रतापपुर अंतर्गत खोरमा में निर्माणाधीन मत्स्य बीज प्रक्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि आरईएस, जल संसाधन एवं पीडब्ल्यूडी विभाग की संयुक्त टीम गठित कर स्थल निरीक्षण कर कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा किया जाए। साथ ही सारासोर में पीएचई विभाग के निर्माण कार्य और गोवर्धनपुर में विद्यालय भवन निर्माण का भी निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को सभी कार्य नियत समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

हाई स्कूल कसकेला में छात्राओं को किया गया जागरूक, दी गई विधि संबंधी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

जिले भर में चलाए जा रहे सायबर जन संवाद, सुगम सफर सूरजपुर के तहत शासकीय हाई स्कूल कसकेला में विद्यार्थियों व शिक्षकों को साइबर जागरूकता व यातायात नियम के संबंध में लटोरी चौकी प्रभारी अरुण गुप्ता द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई।

श्री गुप्ता द्वारा सायबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट व यातायात नियम का पालन करने के अलावा संदिग्धों की जानकारी तत्काल पुलिस को देने का आह्वान भी किया गया। छात्रों को बताया गया कि सायबर फ्रॉड के मामले आए दिन बढ़ रहे हैं, आप अपने बैंक खाते की जानकारी, एटीएम पासवर्ड, ओटीपी किसी को शेयर न करें, अनजाने काल व वीडियो कॉल न उठाएं एवं मोबाइल में किसी भी लिंक को स्वीकार न करें। इस दौरान लटोरी चौकी से आरक्षक विकास मिश्रा, संतोष जायसवाल, सुनील एक्का, महिला आरक्षक सुनीता सोनपाकर व अन्य उपस्थित रहे।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

रा.प्र.क. /अ-6/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती कमला सिंह राठौर पत्नी विश्वम्भर सिंह राठौर, निवासी गोधनपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. द्वारा ग्राम घंघरी स्थित भूमि खसरा नंबर 78/74 रकबा 0.182 हे. भूमि पर से पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 16.05.2025 के आधार पर विक्रेता लक्ष्मण कुमार सिंह आ. मोहन प्रताप सिंह, जाति क्षत्रिय, निवासी ग्राम घंघरी थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. का नाम विलोपित कराकर उपरोक्त विक्रयपत्र के आधार पर अपना नाम दर्ज कराने बावत् आवेदन पत्र छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 110 के तहत् प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 17/11/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 16/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

खबर संक्षेप

गरीबी और बीमारी से जूझ रही कौशल्या ने लगाई मदद की गुहार

रामानुजगंज। ग्राम पंचायत पुरानडीह की 30 वर्षीय महिला कौशल्या देवी पति विकास कुमार पिछले चार महीनों से अपने घर नहीं जा रही हैं। मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर हो चुकी कौशल्या कभी छठ घाट, कभी मंदिर परिसर तो कभी गांधी मैदान में अपना समय बिताती हैं। वह अपनी तीन साल की मासूम बेटी लक्ष्मी के साथ खुले आसमान के नीचे दिन-रात गुजार रही हैं। जानकारी के अनुसार कौशल्या का परिवार अत्यंत गरीब है। पति विकास कुमार पल्लेदारी कर किसी तरह परिवार का भरण-पोषण करते हैं। आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि परिवार कौशल्या का इलाज कराने में सक्षम नहीं है। बावजूद इसके विकास रोजाना तीन वक्त का भोजन अपनी पत्नी और बेटी तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं। कौशल्या का कहना है कि वह नहीं चाहतीं कि उनके कारण परिवार परेशान हो, इसलिए उन्होंने घर से दूर रहना ही बेहतर समझा। बीमारी के कारण वह मानसिक रूप से काफी टूट चुकी हैं। आस-पास के लोग भी उनकी स्थिति देखकर दुखी हैं, लेकिन संसाधनों के अभाव में कोई मदद नहीं कर पा रहे। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से कौशल्या देवी को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई मांग की है वहीं कौशल्या ने भी प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर इलाज हो जाए तो कौशल्या फिर से सामान्य जीवन जी सकती हैं और अपनी छोटी बच्ची की परवरिश अच्छे से कर पाएंगी।

सेजेस जयनगर में बच्चों को बांटी निःशुल्क सायकल

बिश्रामपुर। पीएम श्री सेजेस जयनगर में सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों को साइकिल वितरित की गई,इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर प्रसाद राजवाड़े उपस्थित रहे,कार्यक्रम में देवधन राम बिंझिया,हरीशचंद्र राजवाड़े,मो.इसराईल, शांतनु सिंह चौहान,जाहिद अली, विनोद बिझिंया, नंद कुमारी राजवाड़े, सरपंच प्रतिनिधि राजेंद्र प्रसाद तथा विद्यालय के प्राचार्य वीरेंद्र जायसवाल उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ठाकुर प्रसाद राजवाड़े ने विद्यार्थियों को देशभक्ति से ओतप्रोत प्रेरक उद्बोधन दिया,उनके विचारों से विद्यार्थी उत्साहित हुए और एक अच्छे नागरिक बनने का संकल्प लिया,मंत्री प्रतिनिधि द्वारा विद्यार्थियों को साइकिल वितरित कर आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी गई,कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया,मंच संचालन श्रीमती अमृता सिंह द्वारा किया गया।

अमृत ब्रांड ने राज्योत्सव में बढ़ाई स्थानीय उत्पादों की चमक

बैकुण्ठपुर। कोरिया जिले में 2 से 4 नवंबर तक आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव समारोह में वोकल फॉर लोकल की अवधारणा को नई ऊर्जा मिली। जिला पंचायत कोरिया के अंतर्गत बिहान योजना से जुड़ी स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने कोरिया अमृत ब्रांड के उत्पादों के माध्यम से अपनी व्यवसायिक पहचान को और अधिक मजबूत किया। इस दौरान महिला समूहों के स्टॉलों पर ग्राहकों की उल्लेखनीय भीड़ रही और उत्पादों की अच्छी-खासी बिक्री हुई।

पेज 1 के शेष...

खेत में धान काट रहे...

के खेत में धान कटाई का काम किया जा रहा था। भूमि स्वामी के साथ ही मजदूर धान की सफल काट रहे थे। धान कटाई के दौरान किसानों को कुछ हड्डियां दिखाई दी जिसे मजदूरों ने किसी जानवर की हड्डी समझकर किनारे कर दिया और अपने काम में लगे रहे लेकिन कुछ देर बाद उसी खेत में एक इंसानी खोपड़ी मिली जिसे देखकर किसान और मजदूर भयभीत हो गए। खेत में नर कंकाल मिलने की सूचना मिलने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। ग्रामीणों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा कंकाल को जब्त कर घटना की जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि ग्रामीण की मौत कैसे और किन कारणों से हुई। पुलिस अधिकारी पीएम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होने की बात कह रहे है।

वंदे मातरम का सामूहिक गायन कर दिया गया राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश

पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में गूंजा वंदे मातरम

वंदे मातरम कार्यक्रम में शामिल अतिथिगण व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल, भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, विधायक प्रबोध मिंज, राजकुमार टोप्पो, महापौर मंजूषा भगत एवं जिपं अध्यक्ष निरूपा सिंह की उपस्थिति में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं बल्कि यह हमारी राष्ट्रभक्ति, मातृभूमि के प्रति समर्पण और एकता का प्रतीक है। जब पूरा समाज एक स्वर में इस गीत को गाता है, तब भारत की आत्मा बोल उठती है। यह आयोजन सरगुजा की राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक गौरव का उत्कृष्ट उदाहरण है। अखिलेश सोनी ने कहा कि भाजपा सदैव राष्ट्रवाद, संस्कृति और समाज की एकता के भाव को सर्वोपरि मानती है। वंदे मातरम् हमारे आत्मसम्मान का प्रतीक है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान करोड़ों भारतीयों में देशप्रेम की ज्वाला जगाई थी।

कार्यक्रम में संजय सुरीला ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। अंत में कैबिनेट मंत्री श्री अग्रवाल ने आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी संकल्प का वाचन किया तथा उपस्थित जनों ने स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने किया। इस दौरान वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर, ललन प्रताप सिंह, कमलभान सिंह, अम्बिकेश केशरी, हरपाल सिंह भामरा, हरमिंदर सिंह टिन्नी, अरूणा सिंह, देवनारायण यादव, करताराम गुप्ता सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वंदे मातरम का अधिकारी कर्मचारियों ने किया समूह गायन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुक्रवार 7 जुलाई को भारत सरकार के निर्देश पर बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित राष्ट्र गीत वंदे मातरम का कोयलांचल बिश्रामपुर के महाप्रबंधक कार्यालय के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन कर अधिकारी कर्मचारियों ने वंदे मातरम गीत सामूहिक रूप गायन किया,कार्यक्रम में नई दिल्ली से प्रसारित प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया,इस दौरान क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ संजय कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि वंदे मातरम गीत की रचना स्वतंत्र रूप से की गई थी जो कि पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंग दर्शन में 7 नवंबर 1875 को प्रकाशित हुई थी जिसके आज 150 वर्ष पूरे हो गए हैं,राष्ट्रीय गीत के सम्मान में आज यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है,वंदे मातरम का आशय संतान होता है जो अपनी मातृभूमि के लिए अपना जीवन समर्पित कर देते हैं।हम देश भारत मां को देवी के रूप में पूजते हैं।वंदे मातरम आनंद मठ में गाया जाने वाला गीत है,यह राष्ट्र भक्ति के धर्म का प्रतीक था जो आनंद मठ का मुख्य विषय था।महाप्रबंधक ने उपस्थित जनों को बताया कि इस गीत का देश की आजादी में। बहुत बड़ा योगदान था।कार्यक्रम में महाप्रबंधक संचालन जीके रॉय क्षेत्रीय प्रबंधक मानव संसाधन एस के पी शिंदे,एरिया सेल्स ऑफिसर जी किशोर सहित क्षेत्रीय अधिकारी कर्मचारी इस दौरान उपस्थित थे। डीएवी विद्यालय सहित कार्मेल कांवेंट स्कूल में भी आज राष्ट्र गीत वंदे मातरम का समूह गान बच्चों एवं शिक्षकों ने किया साथ ही प्रधानमंत्री के इस अवसर पर संबोधन का दिल्ली से लाइव प्रसारण बच्चों ने देखा सुना।इस दौरान पीएम द्वारा जारी किए गए स्मारक डाक टिकट एवं सिक्का को भी बच्चों ने देखा और करतल ध्वनि से सम्मान किया।पीएम के दिए संदेश मां भारती के प्रति सम्मान देश प्रेम, एकता और आजादी की रक्षा करने का संकल्प प्राचार्य सिस्टर मर्लिन अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं एवं बच्चों ने दोहराया।प्राचार्या सिस्टर मार्लिन ने कहा कि वंदे मातरम न केवल हमारे इतिहास की याद दिलाता है बल्कि हमें यह प्रेरणा देता है कि हम अपने देश अपनी संस्कृति और अपने मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें।

वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ पर पीएम श्री स्कूल में कार्यक्रम

सूरजपुर। वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पीएम श्री सेजेस नवापारा में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरक उद्बोधन का सीधा प्रसारण देखा, जिसे विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साह, उल्लास और गौरव का अनुभव किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, सृजनशीलता और अभिव्यक्ति कौशल को प्रोत्साहित करने हेतु चित्रकला, निबंध लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में तथा सहायक संचालक रविन्द्र सिंहदेव, प्राचार्य मनोज कुमार झा और समस्त स्टाफ की उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वंदे मातरम् गीत केवल एक राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की आत्मा और एकता का प्रतीक है। कार्यक्रम में 520 विद्यार्थियों एवं 36 शिक्षकों की उपस्थिति रही।

राष्ट्रगीत कई पीढ़ियों को करता है प्रेरित: राजवाड़े

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्षभर चलने वाले समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर देशभर में एक साथ वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कार्यक्रम के दौरान वंदे मातरम पर आधारित विशेष स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष मे वंदे मातरम के 150वीं वर्षगांठ को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् रचना को स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं की अनगिनत पीढ़ियों को प्रेरित करने वाली रचना बताया। उन्होने कहा यह भारत की राष्ट्रीय पहचान और सामूहिक भावना का चिरस्थायी प्रतीक है। प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मराबी ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक शब्द नहीं, यह एक मंत्र है, एक ऊर्जा है, एक स्वप्न है, और एक दृढ़ संकल्प है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को इस राष्ट्रीय गीत के महत्व और उसके ऐतिहासिक योगदान से अवगत कराना हम सभी का दायित्व है, ताकि उनमें भी राष्ट्रप्रेम और समर्पण की वही भावना जागृत हो सके। पूर्व गृह मंत्री एवं वन विकास के अध्यक्ष राम सेवक पैकरा ने कहा कि वंदे मातरम के महत्व को समझने के लिए, इसके ऐतिहासिक मूल को जानना बहुत जरूरी है। यह एक ऐसा मार्ग है, जो साहित्य, राष्ट्रवाद और भारत के स्वाधीनता संग्राम को जोड़ता है। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के दीवानों के लिए वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक मंत्र था। इस दौरान शैलेश अग्रवाल, लोकेश पैकरा, बाबूलाल अग्रवाल, भीमसेन अग्रवाल, मुरली मनोहर सोनी, सत्यनारायण सिंह, शशिकांत गर्ग, अजय अग्रवाल, संत सिंह, कलेक्टर एस जयवर्धन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

नपं में किया गया वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर पीएम के कार्यक्रम का प्रसारण

लखनपुर। नगर पंचायत परिसर में दूरदर्शन पर प्रसारित राष्ट्रव्यापी लाइव कार्यक्रम का सामूहिक रूप से अवलोकन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर वर्षभर चलने वाले विशेष समारोह की औपचारिक शुरुआत की। इस दौरान पीएम ने अपने संदेश में कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह भारत माता के प्रति श्रद्धा, समर्पण और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री साहू, भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिनेश साहू, पार्षद समीम खान, मुख्य नगर पालिका अधिकारी विद्यासागर चौधरी, दिनेश कुमार, चंद्रशेखर चौधरी, श्रीमती माला ठाकुर सहित अन्य मौजूद थे।

150वीं वर्षगांठ पर वंदे मातरम का सामूहिक गायन

.वाड्रफनगर। वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य ने वंदे मातरम् के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह स्वतंत्रता आंदोलन का प्राण स्वर रहा है तथा असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के हृदय में देशभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित की। सहायक प्राध्यापक डॉ.तोयाज शुक्ल ने वंदे मातरम् के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के साहित्यिक योगदान तथा इसके सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय चेतना से जुड़े पहलुओं पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् मातृभूमि की अराधना, राष्ट्रप्रेम और एकता का प्रतीक है। इस दौरान महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं।

सोनपुर पंचायत के बरपानी पहुंचे पीएचई के एसडीओ, जनपद उपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुसमी

- ग्रामीणों ने समस्याओं से कराया अवगत
- अधिकारियों ने एक दो दिन के भीतर हैंडपंप खनन कराने दिए आश्वासन

विकासखंड कुसमी अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनपुर के बरपानी में ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की सुविधा नहीं होने तथा नाला के गंदा पानी पीने को ले कर हरिभूमि द्वारा खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया। खबर प्रकाशन के बाद न सिर्फ प्रशासन हरकत में आई बल्कि ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए आज विधायक, सांसद एवं कलेक्टर के निर्देश पर पीएचई विभाग के अधिकारी सहित जनपद उपाध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधि गांव पहुचे । ग्रामीणों ने अधिकारी व जनप्रतिनिधियों से गांव में एक हैंडपंप खनन कराने सहित अन्य मांग की।

आदिवासी सुदूर अंचल में ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, कलेक्टर राजेंद्र कटारा द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, पीएचई के एसडीओ को तत्काल ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत होने के निर्देश दिए। निर्देश पर अमल करते हुए आज पीएचई विभाग के एसडीओ केरकेट्टा, जनपद पंचायत जनपद उपाध्यक्ष अशोक सोनी सोनपुर ग्राम पंचायत के बरपानी पहुंच कर ग्रामीणों की समस्याएं सूनी। ग्रामीणों ने बताया गया कि आज आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी हम लोगों को शुद्ध पेयजल नसीब नहीं हो पा रहा है। ग्राम पंचायत के सभी ग्रामीण काफी परेशान है। सड़क की समस्या का हल प्रधान मंत्री जन मन योजना के तहत हल हो गई है। बोर मशीन आने जाने में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं है। गिट्टी से भरे हाईवा इस सड़क में आना जाना करते है। ग्रामीणों ने गांव में एक हैंडपंप खनन करवाने की मांग की। इसके अलावा ग्रामीणों ने छोटे छोटे बच्चों के पढ़ने के लिए 5 साल से अधूरे पड़े आंगनवाड़ी भवन को पूर्ण करने की बात कही। ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार द्वारा आंगनवाड़ी की राशि निकालकर गमन कर दिया गया है जिससे आज तक आंगनबाड़ी भवन अधूरा है। जिस पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एसडीओ श्री केरकेट्टा ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर तत्काल एक दो दिन के भीतर विभाग की ओर से एक बोर खनन कराने की बात कही। प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना के सब इंजीनियर तिर्की ने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में अवगत होने के बाद बताया कि यहां सड़क का निर्माण का कार्य डब्ल्यू बीएम का पूर्ण कर दिया गया है। बोर मशीन आने जाने में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। जनपद उपाध्यक्ष अशोक सोनी ग्रामीणों की समस्या सुनकर कल से एक कुआं खुदाई करवाने कराने का आश्वासन दिया। मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों की समस्या को बारी बारी से सुनकर निराकरण करने का आश्वासन दिया।

खबर का असर

गिरने से घायल बालक की गई जान

अम्बिकापुर। बतौली थाना अंतर्गत ग्राम कदनी निवासी जनकू मझवार शहर के नवागढ़ में परिवार के साथ रहकर मजदूरी का काम करता है। गत दिन जब पति-पत्नी मजदूरी करने गए थे तभी 7 वर्षीय पुत्र आशीष मझवार मोहल्ले के अन्य बच्चों के साथ घर के समीप खेल रहा था तभी गिर गया। शाम का परिजन घर आए तो बालक ने पिता से गिरने तथा दर्द होने की बात बताई। परिजन बालक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां देर रात उपचार के दौरान बालक की मौत हो गई।

एसईसीएल प्रबंधन व प्रशासनिक अमले की उपस्थिति में ग्रामीणों से चर्चा, अमेरा खदान में कार्य पुनः शुरू

- अमेरा खदान के परसोढ़ीकला गांव में चल रहा विस्तार कार्य

बिश्रामपुर। सरगुजा जिले के लखनपुर ब्लॉक में संचालित एसईसीएल बिश्रामपुर की अमेरा खुली खदान परियोजना को पांच माह बाद एक बार फिर शुरू करा लेने में क्षेत्रीय प्रबंधन ने सफलता अर्जित की है।बता दें कि अमेरा खदान का परसोढ़ी कला गांव में विस्तार की कवायद लंबे समय से जारी है,गांव की 473 एकड़ भूमि का एसईसीएल प्रबंधन ने वर्षों पूर्व अधिग्रहण किया है जिसमें 236 प्रभावित भू स्वामियों को घटते क्रम में नौकरी देना प्रस्तावित है।प्रबंधन पिछले छह माह से गांव की शासकीय भूमि जो अधिग्रहित है उससे कोयला निकालने भू सतह की मिट्टी हटाने जब काम शुरू करती है, तब सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण लाठी डंडे के साथ विवाद करने उपस्थित हो जाते है, पिछले 8 माह में कई बार ग्रामीण और प्रबंधन के अधिकारियों ठेकेदार का आमना सामना हो जा रहा है,छह माह पूर्व भी कोयला सैंपलिंग के दौरान प्रबंधन के अधिकारी पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया था,अभी करीब एक माह पूर्व भी सैकड़ों महिला पुरुषों ने पीसी मशीन जो कोल फेस तक पहुंचने कच्ची सड़क निर्माण कर रहे ऑपरेटर और ठेका कंपनी के मैनेजर से मारपीट कर पीसी मशीन सहित कई वाहनों में पथराव कर तोड़फोड़ कर दिया था।घटना के बाद प्रबंधन ग्रामीणों से लगातार संवाद का प्रयास कर रही थी।आज शुक्रवार को प्रशासनिक अमले व पुलिस की उपस्थिति में गांव के ग्रामीणों के साथ खदान परिसर में चर्चा कर समझाइश के साथ खदान को पुनः शुरू करा लिया गया है,एसडीएम श्री नेताम,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह सहित सैकड़ों जवान राजस्व अमले के तहसीलदार आरआई की उपस्थिति में प्रबंधन की तरफ से महाप्रबंधक डॉ संजय सिंह,सब एरिया मैनेजर अमेरा ओमप्रकाश अटल ने ग्रामीणों से चर्चा कर सहमति बनाई,प्रबंधन के अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि अधिग्रहित भूमि पर नौकरी और मुआवजे की प्रक्रिया तीव्र गति से जारी है,प्रबंधन फिलहाल शासकीय भूमि से कोयला उत्खनन करेगी धान की फसल को बिना नुकसान पहुंचाए कोयला उत्पादन किया जाएगा,धान की फसल कट जाने के बाद प्रबंधन अधिग्रहित भूमि से कोयला निकलना शुरू करेगी,प्रबंधन के साथ हुई चर्चा के बाद सहमति बनते ही अमेरा खदान को 5 माह बाद फिर से शुरू करा लिया गया है।बता दें कि भूमि विवाद के चलते आमगांव व अमेरा दोनों खदानों के बाधित रहने से क्षेत्र का कोयला उत्पादन लक्ष्य बड़े स्तर में प्रभावित हो रहा था।